टैरिफ के झटके के बीच उप्र के उद्योगों को नई ऊर्जा देगा इंटरनेशनल ट्रेड शो

- ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो
- मेरठ के खेल और इंजीनियरिंग उद्योग की रहेगी विशेष भागीदारी, हुए 45 पंजीकरण

जागरण संवाददाता, मेरठ : अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने से अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर असर पड़ रहा है। वहीं भारत सरकार ने जीएसटी दरों में कमी लाने का संकेत देकर घरेलू उद्योगों को राहत देने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की बड़ी पहल की है। ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो निर्यातकों व घरेलू बाजार के लिए उम्मीद की किरण बनकर आ रहा है। इसके लिए अब तक मेरठ के 45 उद्यमियों ने पंजीकरण करा लिया है।

इस ट्रेड शो का लक्ष्य स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना है। ताकि निर्यात के नए रास्ते खुलने का अवसर मिले। विदेशी निवेश और तकनीकी सहयोग के लिए उद्यमियों के बीच आपसी समझौते हों। पिछले आयोजनों के सकारात्मक नतीजे देखे गए हैं। मेरठ के ही कई उद्यमियों को विदेश से बड़े आर्डर मिले और नई तकनीक छोटे-बड़े उद्योगों तक पहुंची। इस बार यह शो ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिकी टैरिफ की वजह से निर्यातकों को बड़ा झटका लगा है। हालांकि उद्यमी मानते हैं कि यूरोप, एशिया और अफ्रीका जैसे उभरते बाजारों पर ध्यान देकर व सरकार की टैक्स रियायतों से भारतीय उद्योग इस झटके को अवसर में बदल सकते हैं। अमेरिकी बाजार की कमी की भरपाई नए बाजारों से हो सकती है। जीएसटी में राहत से लागत घटेगी और उत्पाद प्रतिस्पर्धी होंगे। बहरहाल, यह शो विदेशी खरीदारों और निवेशकों से जुड़ने का सीधा अवसर देगा। मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स, पैकेजिंग व इंजीनियरिंग प्रोडक्ट पहले से ही वैश्विक पहचान रखते हैं। यहां उन्हें विदेशी खरीदारों से सीधे जुड़ने और नए बाजार हासिल करने का मौका देगा। परतापुर इंडस्ट्रियल एस्टेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निपुण जैन का कहना है कि यह ट्रेड शो नई संभावनाओं का द्वार बनेगा। भारत झटकों से हार मानने वाला नहीं है, बल्कि उन्हें अवसर में बदलने के लिए तैयार है। उपायुक्त उद्योग दीपेंद्र कुमार का कहना है कि यह विशेष अवसर होता है। 45 पंजीकरण हो चुके हैं। पंजीकरण लगातार जारी हैं।